बी.सी.ओ.ई.-108

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी. डी. पी)

सत्रीय कार्य

2020–21

वाणिज्य में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
बी.सी.ओ.ई.-108: कम्पनी विधि

जुलाई 2020 तथा जनवरी 2021 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 1100 68

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

वाणिज्य में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
बी.सी.ओ.ई.-108 : कम्पनी विधि
सत्रीय कार्य – 2020–21

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2020 और जनवरी 2021)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2020** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2021** तक है।

2. जो **जनवरी 2021** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2021** है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. ई. -108**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**कंपनी विधि**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**बी. सी. ओ. ई. -108/टी. एम. ए./ 2020-2021**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. **(क)** अवैध संस्था की परिभाषा दीजिए। ऐसी संस्था बनाने के क्या परिणाम होते है। **(3+7)**

(ख) कम्पनी के अंतर्नियम से क्या तात्पर्य है ? अंतर्नियम में परिवर्तन करने के कम्पनी के अधिकार की सीमाओं की चर्चा कीजिए। **(3+7)**

2. **(क)** उन परिस्थितियों का वर्णन कीजिए जब निदेशक कम्पनी के प्रति तथा तीसरे पक्षकारों के प्रति उत्तरदायी होते हैं। **(6+6)**

(ख) शेयर हस्तांतरण एवं पारेषण के बीच अंतर बताइए। **(8)**

3. **(क)** आंतरिक प्रबंध के सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। इस सिद्धांत के अपवादों का वर्णन कीजिए। **(4+6)**

(ख) विभिन्न प्रकार के प्रभावों की व्याख्या कीजिए। **(10)**

4. **(क)** 'कंपनी सचिव' कौन होता है ? वैधानिक कर्तव्यों की व्याख्या कीजिए। **(3+7)**

(ख) कंपनी के प्रवर्तक की क़ानूनी स्थिति की व्याख्या कीजिए। **(10)**

5. **(क)** वैध वार्षिक साधारण सभा के आवश्यक लक्षणों की चर्चा कीजिए। **(10)**

(ख) कम्पनी अधिनियम के उन प्रावधानों की व्याख्या कीजिए जिनके अंर्तगत कंपनियां 'जमा' स्वीकृत करती हैं ? **(10)**